



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 01 जुलाई, 2021

राष्ट्रीय चिकित्सक दविस

प्रतिवर्ष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) द्वारा 01 जुलाई को 'राष्ट्रीय चिकित्सक दविस' के रूप में मनाया जाता है। यह दविस पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बंधान चंद्र रॉय की जयंती एवं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दविस उन सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकरमियों को समर्पित है, जो कोविड-19 महामारी जैसे इस चुनौतीपूर्ण समय में भी अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सेवा कर रहे हैं। कोविड-19 महामारी ने एक बार पुनः दुनिया भर के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकरमियों द्वारा किये गए योगदान और बलिदान को याद करने का अवसर प्रदान किया है। यह दविस पहली बार 1991 में मानवता की सेवा में बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बी.सी. रॉय के योगदान को मान्यता देने के लिये मनाया गया था। डॉ. रॉय एक प्रसिद्ध चिकित्सक थे, जिन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जन्म 1 जुलाई, 1882 को हुआ था और इसी तारीख को वर्ष 1962 में उनकी मृत्यु हुई। उन्हें 4 फरवरी, 1961 को भारत रत्न सम्मान से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने जादवपुर टीबी अस्पताल, कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल, वकिटोरिया इंस्टीट्यूशन (कॉलेज), चित्तरंजन कैंसर अस्पताल और महिलाओं व बच्चों के लिये चित्तरंजन सेवा सदन जैसे चिकित्सा संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे, जो बाद में पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री बने।

अभिमन्यु मशिरा

भारतीय मूल के 12 वर्षीय अभिमन्यु मशिरा हाल ही में शतरंज में सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। अमेरिका के 'न्यू जर्सी' के अभिमन्यु मशिरा ने वर्ष 2002 में ग्रैंडमास्टर सर्गेई कारजाकिन द्वारा बनाए गए 12 वर्ष, 7 महीने के रिकॉर्ड को तोड़ा दिया है। अभिमन्यु मशिरा ने यह रिकॉर्ड 12 वर्ष, 4 माह की आयु में स्थापित किया है। इससे पूर्व 12 अगस्त, 2002 को सर्गेई कारजाकिन ने 12 वर्ष और 7 महीने की आयु में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल किया था। 5 फरवरी, 2009 को जन्मे अभिमन्यु मशिरा ने 15 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोका को हराकर शतरंज में यह सर्वोच्च खिताब हासिल किया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व अभिमन्यु मशिरा ने भारत के आर प्रज्जानानंद के सबसे कम उम्र के अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनने का रिकॉर्ड तोड़ा था। अभिमन्यु मशिरा ने वर्ष 2019 में यह खिताब तब जीता था जब उनकी आयु 10 वर्ष, 9 महीने और 20 दिनी थी। इसके अलावा अभिमन्यु मशिरा मात्र नौ वर्ष की आयु में अमेरिका में सबसे कम उम्र के नेशनल मास्टर भी बने थे।

ग्लेशियल लेक एटलस

हाल ही में जल शक्ति मंत्रालय ने गंगा नदी घाटी के लिये एक 'ग्लेशियल लेक एटलस' का वमिचन किया है। यह 'ग्लेशियल लेक एटलस' गंगा नदी घाटी में मौजूद हमिनद झीलों पर आधारित है जो इसके उद्गम स्थल से लेकर हिमालय की तलहटी तक 2,47,109 वर्ग किलोमीटर के जलग्रहण क्षेत्र को कवर करती हैं। गंगा नदी बेसिन के अध्ययन में भारतीय हिससे के साथ-साथ सीमा पार क्षेत्र भी शामिल हैं। यह एटलस 0.25 हेक्टेयर से अधिक जल प्रसार क्षेत्र वाले गंगा नदी बेसिन के लिये एक व्यापक एवं व्यवस्थित हमिनद झील डेटाबेस प्रदान करता है। जलवायु परिवर्तन प्रभाव विश्लेषण के संदर्भ में परिवर्तन विश्लेषण के लिये भी एटलस को संदर्भ डेटा के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा यह इतिहास और भविष्य की किसी समय अवधि की तुलना के लिये भी उपयोगी होगा। यह एटलस क्षेत्रीय सीमा (वसितार/संकुचन) में नयिमति या आवधिक नगिरानी परिवर्तनों और नई झीलों के निर्माण के लिये प्रामाणिक डेटाबेस भी प्रदान करता है। एटलस का उपयोग ग्लेशियर पर जलवायु प्रभाव अध्ययन के लिये भी किया जा सकता है। 'ग्लेशियल लेक आउटब्रस्ट फ्लड' (GLOF) के संभावित जोखिम का पता लगाने के लिये भी यह एटलस काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। केंद्र और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदा न्यूनीकरण योजना और संबंधित कार्यक्रम के लिये एटलस का उपयोग कर सकते हैं।

अमिताभ कांत

केंद्रीय थक टैंक 'नीति आयोग' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) के रूप में वरिष्ठ नौकरशाह अमिताभ कांत के कार्यकाल को एक वर्ष के लिये बढ़ा दिया गया है। केरल कैंडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी अमिताभ कांत ने सरकार की कई नीतितगत पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्ट-अप इंडिया' और 'अतुल्य भारत' आदि शामिल हैं तथा हाल ही में नीति आयोग की 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' पहल का नेतृत्व कर रहे हैं। अमिताभ कांत कोविड प्रबंधन के लिये गठित एक टास्क फोर्स के अध्यक्ष के रूप में व्यापक पैमाने पर नागरिक समाज संगठनों के साथ भी जुड़े रहे। इससे पूर्व अमिताभ कांत को जून 2019 में इसी पद पर दो वर्ष का कार्यकाल वसितार दिया गया था। भारत सरकार द्वारा एक 'नीतितगत थक टैंक' के रूप में 'नीति आयोग' की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को की गई थी। नीति आयोग बैंकों के वनिविश और नजीकरण समेत सरकार की वभिन्न पहलों के लिये प्रारंभिक ढाँचा तैयार कर नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नीति आयोग की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-01-july-2021>